



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

27/3/86

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 5]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार जनवरी 2, 1986/पौष 12, 1907

No. 5]

NEW DELHI, THURSDAY, JANUARY 2, 1986/PAUSA 12, 1907

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

उच्चाग मंत्रालय

(कंपनी कार्य विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 2 जनवरी, 1986

सा.का.नि. 7(अ) — केन्द्रीय मंत्रालय, कंपनी अधिनियम, 1956
(1956 का 1) की धारा 642 के माथ पठित धारा 58क द्वारा
प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय रिजर्व बैंक के परामर्श में,
कंपनी (निक्षेपों का प्रतिग्रहण) नियम, 1975 का निम्नलिखित आगे
संशोधन करती है, अर्थात्:—

1. (1) इन नियमों का महिना नाम कंपनी (निक्षेपों का प्रतिग्रहण)
पहला संशोधन नियम, 1986 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन के नाम स्वरूप को प्रदृढ़ होगे।

2. कंपनी (निक्षेपों का प्रतिग्रहण) नियम, 1975 में,—

(1) नियम 3 के उप-नियम (1) में खण्ड (घ) के स्थान पर,
निम्नलिखित खण्ड रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(घ) कोई भी कंपनी किसी दलाल को उसके द्वारा जा
उसके माध्यम से संग्रहीत किए गए एक वर्ष की अवधि

तक के निक्षेपों पर एक प्रतिशत, एक वर्ष से अधिक
किन्तु दो वर्ष तक की अवधि के निक्षेपों पर डेढ़ प्रतिशत
और दो वर्ष से अधिक की अवधि के निक्षेपों पर दो
प्रतिशत में अधिक की अवधि के निक्षेपों पर दो वर्ष
के द्वारा जाएगा, अर्थात्:—

(2) नियम 3 में,—

(क) उप-नियम (2) के स्थान पर निम्नलिखित उप-नियम
रखा जाएगा, अर्थात्:—

“(2) कंपनी कंपनी से भिन्न कोई कंपनी—

(1) अप्रतिभूत डिवेंचर के अधिवा शेयरधारक के किसी निक्षेप के
मद्दे (जो किसी प्राइवेट कंपनी द्वारा उसके शेयर धारकों से
प्रतिशेषित किया गया निक्षेप नहीं है) किसी निक्षेप का अधिवा
किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा गारंटीकृत किसी निक्षेप का, जो
व्यक्ति ऐसी गारंटी करते समय कंपनी का निदेशक है,
प्रतिग्रहण नहीं करता यदि किसी ऐसे निक्षेप की रकम इस
खण्ड में निर्दिष्ट प्रकार के मध्य या किन्हीं निक्षेपों को
भूमिका करके, जो ऐसे निक्षेप के प्रतिग्रहण या बुनर्नीकरण

को तारीख को प्रगदैय हो करनी की नियम ग्रंथालय और मुक्त आरक्षितों के कुल यात्रा के दम प्रतिगत [नियम 3 के उपनियम (1) के परन्तु] के अधीन प्रतिगतीन किसी निषेप को मिमिलित करने] से अधिक है।

परन्तु यह कि ऐसे प्रांतश्वरण या पुनर्नवीकरण की तारीख को प्रगदैय निषेपों के रकम की गणना करने के प्रयोजन के लिए किसी ऐसे अधिकार द्वारा संरक्षित कोई निषेप जो अक्षित ऐसों गारंटी के समय करनी का प्रवध अधिकारी अथवा मचिव ग्रोर नोवायल है, और जो निषेप ऐसी तारीख पर प्रत्यक्ष हो गणना में लिया जाए।

(2) किसी अन्य निषेप का प्रतिग्रहण नहीं करेंगी यदि ऐसे निषेप वा उसके प्रतिप्रहण ना पुनर्नवीकरण को तारीख को प्रगदैय रकम ऐसे अन्य निषेप बिंदु (1) से निर्दिष्ट किसी निषेपों से जिन्होंने रकम को मिलाकर करनी की समावृत्त शेष पूरी ओर मुक्त आरक्षितों के कुल यात्रा का पञ्चाम प्रतिशत में अधिक है।

(ख) दम प्रकार प्रतिष्ठापित नियम 2 के पञ्चात निम्नलिखित उपनियम, उपनियम 2के दम पर अत्यधिक विद्या जापना अवधार है—

“2के कोई स्वरकारी करनी कार्ड निषेप प्रतिगतीन नहीं करेंगी यदि ऐसे नियम वी 2के दम परनी की गणना योगर पूरी आग वत प्रारक्षितों के कुल योग के वैतीस प्रतिशत [नियम 3 के उपनियम (1) के परन्तु] के अधीन प्रतिगतीत विभी निषेप को मिमिलित करने हैं] से अधिक है।”

(ग) नियम 3 के स्पष्टीकरण के म्थान पर निम्नलिखित स्पष्टीकरण ज्ञाना जापना अवधार है—

“स्पष्टीकरण—इस नियम के प्रयोजन के लिए करनी की गणना परी और मत्र आरक्षितों के कुल यात्रा की गणना करने में करनी के सबसे अधिक सर्वाधित तुलनपत्र से टिकाई गई समावृत्त योगर पूरी आग भूत आरक्षितों के कुल योग में से नकमान के मचिव प्रतिशेष अस्पृशित राजस्व व्याप दे अनिषेप आग गत्य अपर्याप्तियों रहि वर्द्ध हो कि यस जैसे, कि वे उन्नत तुलनपत्र से टिकाई गई के दम पर दी जायें।

साक्षात् करनी में 1961 वर्षालय 1966 की 12 दिन, में यथा अधिकारित वर्तमान अधिकारी, दी।।।

[फ] 1968 वर्षालय करनी
ग्राम २ नवें अवर अधिकारी

ठिप्पणी—करनी (निषेप बदला) नियम, 7व भर्त १, दण्ड असाधारण, तारीख 3-2-1975 के भाग 2, बिंदु ३ उपबिंदु (1) से अधिकारीना म 43(अ) तारीख 3-2-1977, के अधीन प्रकाशित किए गए थे और तत्पश्च त उसमे निम्नलिखित अधिसूचनाओं द्वारा सकारात्मक किया गया—

- (1) का आ. 521(अ), तारीख 19-4-1977
- (2) का.आ. 681(अ), तर्फ, 29-11-1976
- (3) मा.का.नि. 127(अ), तारीख 9-6-1976
- (4) मा.का.नि. 820(अ) तारीख 24-9-1976

- (5) मा.का.नि. 965(अ), तारीख 29-12-1976
- (6) मा.का.नि. 385(अ), तारीख 17-6-1977
- (7) मा.का.नि. 386(अ) तारीख 17-6-1977
- (8) मा.का.नि. 424(अ) तारीख 17-6-1977
- (9) मा.का.नि. 793(अ), तर्फ, 30-12-1977
- (10) मा.का.नि. 200(अ) तारीख 10-2-1978
- (11) मा.का.नि. 252(अ) तारीख 27-4-1978
- (12) मा.का.नि. 417(अ) तारीख 29-6-1978
- (13) मा.का.नि. 378(अ) तारीख 17-7-1978
- (14) मा.का.नि. 379(अ) तारीख 17-7-1978
- (15) मा.का.नि. 1084 तारीख 21-3-1980
- (16) मा.का.नि. 188 वर्ष तारीख 24-10-1980
- (17) मा.का.नि. 380(अ), तर्फ, 26-3-1980
- (18) मा.का.नि. 113(अ) तारीख 18-7-1980
- (19) मा.का.नि. 54(अ) तारीख 24-9-1980
- (20) मा.का.नि. 187(अ) तर्फ, 24-3-1981
- (21) मा.का.नि. 117(अ) तारीख 12-1-1982
- (22) मा.का.नि. 296(अ), तारीख 12-3-1985
- (23) मा.का.नि. 112(अ) तारीख 19-4-1985
- (24) मा.का.नि. 182(अ) तारीख 5-6-1985

MINISTRY OF INDUSTRY
(Department of Company Affairs)

NOTIFICATION

New Delhi, the 2nd January, 1986

G.S.R. 7 (E).—In exercise of the powers conferred by section 58A read with section 642 of the Companies Act, 1956 (1 of 1956), the Central Government, in consultation with the Reserve Bank of India, hereby makes the following rules further to amend the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975, namely :—

- (1) These rules may be called the Companies (Acceptance of Deposits) First Amendment Rules, 1986.
- (2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.
2. In the Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975,
 - (i) in rule 3, in sub-rule (1), for clause (d), the following shall be substituted namely
 - (d) a company shall pay a brokerage fee for the acceptance of a deposit in excess of one percent of the deposits for a period of one to one year but upto two years and two percent of the deposits for a period exceeding two years, collected by or through such broker, and such payment shall be on one time basis"
 - (ii) In rule 3,
 - (a) for sub-rule (2), the following sub-rule shall be substituted namely :—
 - (2) No company, other than a Government department, shall accept an unsecured debenture or any deposit from a shareholder

(not being a deposit accepted by a private company from its shareholder) or any deposit guaranteed by any person who, at the time of giving such guarantee is a director of the company if the amount of any such deposit together with the amount of such other deposits of all or any of the kinds of deposits referred to in this clause and outstanding on the date of acceptance or renewal of such deposit exceeds ten per cent [including any deposit accepted under the proviso to sub-rule (1) of rule 3] of the aggregate of the paid-up capital and free reserves of the company :

Provided that for the purpose of calculation of the amount of deposits outstanding on the date of such acceptance or renewal, any deposit guaranteed by a person who at the time of giving such guarantee was the managing agent or secretaries and treasurers of the company and outstanding on such date shall be taken into account:

(ii) any other deposit, if the amount of such deposit together with the amount of such other deposit other than any of the deposits referred to in clause (i), outstanding on the date of acceptance or renewal exceeds twenty-five per cent of the aggregate of the paid-up share capital and free reserves of the company".

(b) After sub-rule (2) so substituted, the following sub-rule shall be inserted as sub-rule 2A, namely :—

"2A No Government company shall accept any deposit, if the amount of such deposit exceeds thirty five per cent [including any deposit accepted under the proviso to sub-rule (1) of rule 3] of the aggregate of its, paidup share capital and free reserves".

(c) For the Explanation to rule 3 the following Explanation shall be substituted, namely :—

"EXPLANATION : For the purpose of this rule in arriving at the aggregate of the paid-up share capital and free reserves of a company, there shall be deducted from the aggregate of the paid-up share

capital and free reserves as appearing in the latest audited balance sheet of the company, the amount of accumulated balance of loss, balance of deferred revenue, expenditure and other intangible assets, if any, as disclosed in the said balance sheet;

Government company means a company as defined in section 617 of the Companies Act, 1956".

[F. No. 4/5/84-CL.X]

R. D. MAKHEEJA, Under Secy.

Note : The Companies (Acceptance of Deposits) Rules, 1975-Published vide Notification No. G.S.R. 13 (F) dated 3-2-1975, Part II, Section 3, sub section (i) of the Gazette of India (Extraordinary) dated 3-2-1975 Subsequently amended by Notification No :

- (i) S.O. 524(E) dated 18-9-75
- (ii) S.O. 684 (E) dated 29-11-75
- (iii) G.S.R. 127 (E) dated 29-6-76
- (iv) G.S.R. 820 (E) dated 21-9-76
- (v) G.S.R. 965 (E) dated 29-12-76
- (vi) G.S.R. 385 (E) dated 17-6-77
- (vii) G.S.R. 386 (E) dated 17-6-77
- (viii) G.S.R. 124 (E) dated 27-6-77
- (ix) G.S.R. 793(E) dated 30-12-77
- (x) G.S.R. 200 (E) dated 30-3-78
- (xi) G.S.R. 252 (E) dated 27-1-78
- (xii) G.S.R. 341 (E) dated 29-6-78
- (xiii) G.S.R. 378 (E) dated 17-7-78
- (xiv) G.S.R. 585 (E) dated 21-12-78
- (xv) G.S.R. 109 (E) dated 21-3-80
- (xvi) G.S.R. 185 (E) dated 1-4-80
- (xvii) G.S.R. 380 (E) dated 24-6-80
- (xviii) G.S.R. 435 (E) dated 18-7-80
- (xix) G.S.R. 546 (E) dated 21-9-80
- (xx) G.S.R. 187 (E) dated 20-3-81
- (xxi) G.S.R. 11 (E) dated 12-1-82
- (xxii) G.S.R. 286 (E) dated 19-3-85
- (xxiii) G.S.R. 372(E) dated 19-4-85
- (xxiv) G.S.R. 482(E) dated 5-6-85

